सूरत के स्वच्छता और विकास मॉडल का पार्षद दल ने किया अवलोकन

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर नगर निगम पार्षद दल ने सूरत नगर निगम के स्वच्छता एवं विकास कार्यों के सफल मॉडल का अवलोकन किया गया. दौरे के दौरान स्थानीय पार्षद दल ने सूरत महापौर और निगम आयुक्त से मुलाकात की. साथ ही सूरत नगर निगम द्वारा एसटीपी प्लांट से जलपुनर्चक्रण और बायोडायवर्सिटी पार्क का मौका मुआयना किया.

महापौर ने इंदौर नगर निगम में दूसरे शहरों के नवाचार लागू करने के लिए अलग अलग शहरों में पार्षद दल को दौरा करने भेजा है. उक्त दौरे में पार्षद दल ने इंदौर नगर निगम की ओर से सूरत नगर निगम को शहर में किए जा रहे विकास कार्यों से संबंधित नागरिक पत्रिका भेंट की. स्वच्छता के प्रतीक स्वरूप कपड़े का झोला देकर सम्मानित किया गया. साथ ही पार्षद दल के सदस्यों द्वारा इंदौर शहर में किए जा रहे विकास कार्यों एवं स्वच्छता मॉडल की जानकारी साझा की गई. पार्षद दल सचेतक कमल वाघेला एवं महापौर परिषद सदस्य राजेश उदावत ने बताया कि दौरे का उद्देश्य सूरत नगर निगम द्वारा स्वच्छता, जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनाए गए नवाचारों को समझना एवं उन्हें इंदौर में लागू करना है. पार्षद दल द्वारा सुरत स्थित 125 एमएलडी क्षमता के सीववेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का अवलोकन किया गया. उन्होंने बताया कि एसटीपी प्लांट से निकलने वाले ट्रीटेड पानी को आरओ लेवल तक शुद्ध किया जाता है. ट्रीटेड वॉटर को सूरत के औद्योगिक क्षेत्रों में सप्लाई किया जाता है. उक्त व्यवस्था के द्वारा सूरत नगर निगम को हर साल लगभग 140 करोड़ रुपए से ज्यादा आय हो रही है. यह जल पुनर्चक्रण एवं राजस्व वृद्धि का उत्कृष्ट उदाहरण है.

कार्यों की सराहना की पार्षद दल ने

पार्षद दल ने सूरत निगम के नवाचार पूर्ण एवं जनहितकारी कार्यों की सराहना की और सफल मॉडलों से प्रेरणा लेकर इंदौर शहर में भी स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं विकास को और अधिक मजबूत किया जाएगा. नगर निगम इंदौर पार्षद दल सचेतक कमल वाघेला, महापौर परिषद सदस्य राजेश उदावत, पार्षद सीमा डाबी, ममता सुनार, सोनाली धरकर, सुनीता सोनगरा, पुष्पेंद्र पाटीदार, मलखान कटारिया, मृदुल अग्रवाल ने सुरत महापौर देवेश मेवानी एवं निगम आयुक्त शालिनी अग्रवाल से भेंट की।

बायोडायवर्सिटी पार्क देखा

इसके साथ ही पार्षद दल ने दौरे में सूरत निगम द्वारा विकसित बायोडायवर्सिटी पार्क का अवलोकन किया गया. उल्लेखनीय है कि नाले के किनारे स्थित स्लम एरिया था। सूरत नगर निगम द्वारा उक्त क्षेत्र को स्लम मुक्त करते हुए लगभग 60 हेक्टेयर भूमि पर 145 करोड़ रुपए की लागत से बायोडायवर्सिटी पार्क का निर्माण किया गया है. इस परियोजना का प्रथम चरण पूर्ण हो चुका है, जबकि द्वितीय चरण का कार्य प्रगति पर है.

एक नजर में

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता

इंदौर. पंजाब नैशनल बैंक मंडल कार्यालय, इंदौर द्वारा बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में पंजाब नैशनल बैंक द्वारा हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बैंक नराकास के समस्त सदस्य बैंकों, कार्यालयों, वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों, कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर सहभागिता की. पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में बैंक से सेवानिवृत्त सत्य प्रकाश दीक्षित को निर्णायकगण के रूप में आमंत्रित किया गया. श्री दीक्षित ने कहा कि अपनी बात को ग्राहक के सामने रखने के लिए सबसे सरल और सहज भाषा हिंदी ही है. अनिल कुमार अनल, मंडल प्रमुख ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित किया और कहा हिंदी में हम अपना कार्यालयीन कार्य आसानी से और सरलता से कर सकते है. रविन्द्र चंदेल, मुख्य प्रबंधक ने सभी स्टाफ को हिन्दी की महत्ता बताते हुए बैंकिंग कार्य हिंदी में करने हेतु प्रेरित किया.

सोनी ने 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' से कराया परिचित

इंदौर. सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया भारत के दर्शकों के लिए दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित एंटरटेनमेंट फ्रेंचाइज़ में से एक- 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' लेकर आ रहा है. वैराइटी मैगजीन द्वारा अमेरिकी टेलीविजन का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला एंटरटेनमेंट शो घोषित किया गया यह शो, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया का सबसे लोकप्रिय टीवी गेम शो दर्ज है और इसे डेटाइम एम्मी अवार्ड फॉर आउटस्टैंडिंग गेम शो से भी सम्मानित किया जा चुका है. अब यह ग्लोबल मनोरंजन ब्रांड भारत में अपनी धमाकेदार एंट्री करने जा रहा है. भारतीय संस्करण एक हाई-एनर्जी, स्टार-पावर्ड स्पेक्टेकल होगा, जिसकी अगुवाई करेंगे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार. नचिकेत पंतवैद्य, बिजनेस हेड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन, ने कहा 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के साथ, हम अपने पोर्टफोलियो में एक और प्रतिष्ठित वैश्विक फ्रेंचाइज जोड़ रहे हैं.

लैम्बॉर्गिनी एस्पेरिएन्जा गिरो इंडिया का जश्न

इंदौर. लक्ज़री एवं लाईफस्टाइल एक्सपेरिएंशिएल ड्राइविंग प्रोग्राम लैम्बॉर्गिनी एस्पेरिएन्ज़ा गिरो इंडिया ने अपने 5वें संस्करण का समापन किया, लैम्बॉर्गिनी के 80 से अधिक उपभोक्ताओं ने उत्तर एवं दक्षिण भारत के शानदार रास्तों पर आयोजित इस प्रोग्राम में हिस्सा लिया और तीन दिनों के दौरान 1500 किलोमीटर से अधिक दूरी तय की. पहली बार गिरो ने दो स्वतन्त्र रूप से क्यूरेट किए गए मार्गों का अनुसरण किया- एक का नेतृत्व हमारी दिल्ली-मुंबई डीलर टीम के द्वारा तथा दूसरी का नेतृत्व बैंगलुरू द्वारा किया गया. दोनों क्षेत्रों में, एस्पेरिएंज़ा गिरो इंडिया 2025- 40 से अधिक लेम्बोर्गिनी कारों और 80 से ज्यादा उपभोक्ताओं और मेहमानों को एक साथ लाया. लैम्बॉर्गिनी इंडिया हैड निधी कैस्था ने कहा लैम्बॉर्गिनी के लिए भारत सबसे जीवंत और सबसे तेज़ी से विकसित होते मार्केट्स में से एक बना हुआ है.

विरोहन ने 65 करोड़ की सीरीज-बी फंडिंग हासिल की

इंदौर. भारत में हेल्थकेयर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान, विरोहन ने अपनी चल रही सीरीज़-बी फंडिंग के तहत 65 करोड़ रुपये (7.5 मिलियन डॉलर) जुटाए हैं, जिसका नेतृत्व मायनावी कॉर्पोरेशन ने किया है. यह फंडिंग उत्पाद नवाचार, संचालन दक्षता में सुधार और रणनीतिक रूप से प्रतिभाशाली पेशेवरों की टीम के विस्तार के माध्यम से विरोहन को लाभप्रदता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने में मदद करेगी. इस घोषणा पर विरोहन के सीईओ कुणाल डुडेजा ने कहा हेल्थकेयर सिस्टम कुशल पेशेवरों पर चलता है, फिर भी शिक्षा और रोजगार के बीच सही मार्ग न होने के कारण लाखों पद खाली रहते हैं. विरोहन में, हमारा मिशन उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक उद्योग भागीदार के रूप में इस अंतर को बड़े पैमाने पर पाटना है. मैनावी इंडिया के प्रबंध निदेशक हिदेकाज़ु इतो ने कहा विरोहन का मॉडल बड़े पैमाने पर हेल्थकेयर शिक्षा देने के तरीके को पूरी तरह से नया रूप देने की क्षमता रखता है.

बिरला ओपस पेंट्स की पहुंच भारत में मजबूत हो रही

इंदौर. बिरला ओपस पेंट देश में लगातार अपने ऑपरेशन बढ़ा रहा है, जिसमें ग्राहकों की बढ़ती मांग और ब्रांड के मजबूत डीलर नेटवर्क से मदद मिल रही है. डेकोरेटिव पेंटस उद्योग में प्रवेश करने के बाद केवल डेढ़ साल में ही कंपनी के पास 140 से अधिकक डिपो और सबसे बड़ा फ्रैंचाइजी नेटवर्क हो गया है.कंपनी के उत्पाद 10,000 से अधिक शहरों में उपलब्ध हैं. हिमांशु कपानिया, बिज़नेस हेड, बिरला ओपस पेंट्स एंड एमडी, ग्रासिम ने कहा, इन त्योहारों ने बिरला ओपस पेंटस में ग्राहकों और डीलर्स के विश्वास को मजबूत कर दिया है. पूरे देश में हमारे मजबूत प्रदर्शन से भारत का सबसे भरोसेमंद और भविष्य के लिए तैयार पेंट्स परिवेश स्थापित करने की हमारी प्रतिद्धता प्रदर्शित होती है, जिसमें विस्तार के साथ इनोवेशन भी शामिल है. हमारे पास देश में सबसे अधिक क्षमताओं में से एक है, इसलिए हम साल 2026 में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश कर रहे हैं. हमारा मिशन यही है कि भारत मे पेंट करनेके तरीके में परिवर्तन लाना और हर परिवार को दुनिया को रंग दो' की भावना अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं.

रुशिल असवाल ने अपना नया हिंदी ईपी रिलीज किया

इंदौर. उभरते हुए पॉप कलाकार, रुशिल असवाल ने अपना नया हिंदी ईपी, प्यार टुकड़ों में रिलीज़ किया है आज प्यार कैसा महसूस होता है यह गीत उसका एक ईमानदार, सिनेमेटिक और खुशनुमा अंदाज में हलचलभरा लुक है. आज के समय में जहाँ प्यार के गीत अक्सर इंतहा तक जाकर, अत्यधिक मधुर, अत्यधिक जहरीले, अत्यधिक नाटकीय हो जाते हैं, वहीं रुशिल ने इन परंपराओं को तोड़ दिया है. प्यार टुकड़ों में कोमल होने के साथ बहुत तीव्र, सपनों जैसा होने के साथ वास्तविक और नाजुक होने के साथ बिल्कुल शुद्ध है. इस ईपी में पाँच अलग-अलग ट्रैक हैं, जो प्यार के हर पहलू को पेश करते हैं. इस ईपी के बारे में रुशिल ने कहा यह ईपी अभी तक की गई मेरी सभी रचनाओं में सबसे अधिक व्यक्तिगत है. प्यार एक स्पष्ट भावना नहीं है. यह सैकड़ों छोटे-छोटे लम्हों का समूह है जो आपको बदल देता है. प्यार टुकड़ों में उन्हें गौरवान्वित करने का मेरा तरीका है. मुझे उम्मीद है कि ये गाने सुनकर लोग सोचेंगे कि हाँ प्यार बिल्कुल ऐसा ही महसूस होता है.

सड़क और ब्रिज के कार्य शहर के समग्र विकास में महत्वपूर्ण : महापौर

- बापट चौराहा पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज नगर निगम ने भमोरी प्लाजा से भमोरी चौराहे से एम.आर.-10 तथा राजशाही गार्डन से होटल वॉव तक सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया. इसके साथ ही बापट चौराहे पर सर्विस रोड पर पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया. नगर निगम द्वारा उक्त दोनों कार्य 19 करोड़ रुपए से किए जाएंगे.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक रमेश मेंदोला ने आज केंद्रीय वित्तीय सहायता से 16.76 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया. इसके साथ ही मेघदूत सर्विस रोड पर 2.44 करोड़ की लागत से 18 मीटर लंबाई एवं 12 मीटर चौड़ाई की पुलिया का भूमिपूजन भी किया. इस अवसर पर महापौर भार्गव ने कहा कि सड़क एवं ब्रिज जैसे कार्य न केवल यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि शहर के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. विधायक रमेश मेंदोला ने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है. दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा.

यातायात को गति मिलेगी

जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य से शहर के यातायात को गति मिलेगी. बापट चौराहे पर पुलिया निर्माण से क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी. नागरिकों को निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी. कार्यक्रम में सभापति मुन्नालाल यादव, पार्षद ज्योति पवार, पार्षद पूजा पाटीदार, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे.

मतदाताओं से लिए जाएंगे दावे-आपत्ति

- एसआईआर कार्य का मंगलवार से दूसरा चरण शुरू
- निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त ने ली बैठक

इंदौर. मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का दूसरा चरण 23 दिसंबर से शुरू होगा. अगले एक महीने तक दावे आपत्ति पर सुनवाई होगी. खास बात यह है कि एक दिन में 50 से ज्यादा प्रकरणों की सुनवाई नहीं होगी.

आज कलेक्टर सभागृह में भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की समीक्षा बैठक की. बैठक में डॉ. शर्मा बताया गया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का दूसरा चरण 23 दिसम्बर से शुरू होगा. 23 दिसम्बर को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसी दिन से दावे-आपत्ति लेने का कार्य प्रारंभ होगा जो आगामी 22 जनवरी 2026 तक चलेगा. बैठक डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में, पूर्ण पारदर्शिता और शुद्धता के साथ पूर्ण किया जाए. उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न ह. बैठक में कलेक्टर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों के एसडीएम, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित थे.

एक माह तक चलेगी प्रक्रिया- डॉ. पवन कुमार शर्मा ने बताया कि अब दावा-आपत्ति की सुनवाई के तहत जिले में लगभग 4.66 प्रतिशत अनमैप मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे. आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों के आधार पर संबंधित मतदाताओं को अपने दावे प्रस्तुत करने होंगे, जिनकी सुनवाई ईआरओ एवं एईआरओ स्तर पर की जाएगी. डॉ. शर्मा ने कहा कि दावा-आपत्ति की यह प्रक्रिया लगभग एक माह तक चलेगी, जिसके बाद आगामी चरण की कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि अब प्रशासन का पूरा फोकस इसी चरण पर रहेगा और इसके लिए जिले की पूरी टीम तैयार है.

सुगम स्थानों पर स्थापित किए ईआरओ कार्यालय

बैठक में बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ईआरओ कार्यालय मतदाताओं के नजदीक और सुगम स्थानों पर स्थापित किए गए हैं, ताकि उन्हें दूर न जाना पड़े. साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि एक दिन में 50 से अधिक प्रकरणों की सुनवाई न हो, जिससे निष्पक्ष और बेहतर ढंग से सुनवाई संभव हो सके. कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा ने एसआईआर प्रगति की जानकारी दी.

श्रम संहिताएं, एचआर व कंपनी सेक्रेटरी की भूमिका पर विमर्श

- आईसीएसआई इंदौर चैप्टर द्वारा एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन

इंदौर. द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के इंदौर चैप्टर द्वारा एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन होटल सूर्या में किया गया. इस कॉन्क्लेव का मुख्य विषय नए श्रम कानून एवं सीएस की भूमिका रहा, जिसमें बड़ी संख्या में एचआर प्रतिनिधि, शिक्षाविद, एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की.

इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएस अमित कुमार बारंगे ने बताया कि कॉन्क्लेव के अंतर्गत आयोजित तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारियां साझा कीं. कॉन्क्लेव में बदलते एचआर मॉडल, नई तकनीकों के बढ़ते प्रभाव और भविष्य की कार्यशैली पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया. इंदौर चैप्टर के सचिव सीएस मनीष जोशी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया. सीएस डॉ. मनोज जोशी ने कंपनी सेक्रेटरी की बदलती भूमिका, कॉर्पोरेट गवर्नेंस एवं अनुपालन संबंधी दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला. वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश पटवर्धन ने नई श्रम संहिताओं के व्यावहारिक पहलुओं एवं उनके उद्योगों पर पड़ने वाले प्रभाव को सरल एवं स्पष्ट रूप से समझाया. सुश्री दीपिका पाठक ने संगठन की ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में मानव संसाधन अर्थात ह्यूमन रिसोर्सेज की रणनीतिक भूमिका पर अपने विचार साझा किए.

इस अवसर पर आईसीएसआई के वेस्टर्न रीजन के उपाध्यक्ष सीएस अनुराग गंगराड़े ने अपने संबोधन में वर्तमान कॉर्पोरेट परिवेश में मानव संसाधन एवं कंपनी सेक्रेटरी की भूमिका की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. इंदौर चैप्टर के वाइस चेयरमैन अंकित मेडतवाल भी उपस्थित रहे.

सेंट्रल बैंक के स्थापना दिवस पर सामाजिक सेवा कार्यक्रम

इंदौर. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 115वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर द्वारा सामाजिक दायित्वों को निभाते हुए विभिन्न सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर ज्योति निवास वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को कंबल एवं फल वितरित किए गए, जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके.

बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बुजुर्गों से मिलकर उनका हालचाल जाना और सेवा भाव प्रकट किया. इसके साथ ही स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान के तहत स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बैंक कर्मियों द्वारा आसपास के क्षेत्र में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की गई और स्वच्छता का संदेश दिया गया. इन सभी कार्यक्रमों का नेतृत्व क्षेत्रीय प्रमुख आर.के. सिंह ने की. उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया न केवल बैंकिंग सेवाओं में बल्कि सामाजिक कार्यों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है. इस अवसर पर बैंक के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे और सभी ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया.

व्यक्ति की जरूरत व शरीर के अनुसार काम करता है फर्टिलिटी उपचार

इंदौर. जब कोई दंपति आईवीएफ की प्रक्रिया शुरू करते है, तो अक्सर उन्हें लगता है कि यह एक तय रास्ते पर चलने वाला इलाज है. लेकिन सच यह है कि फ़र्टिलिटी उपचार तभी बेहतर काम करता है जब वह हर व्यक्ति की ज़रूरत और शरीर के अनुसार बदला जाए.

फ़र्टिलिटी विशेषज्ञ, बिरला फर्टिलिटी और आईवीएफ डॉ. आस्था जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि हर व्यक्ति का शरीर अलग तरह से प्रतिक्रिया देता है, और अगर इलाज उसी के हिसाब से न बदला जाए तो साइकिल बार-बार दोहराने पड़ते हैं, जिससे तनाव भी बढ़ता है और खर्च भी. उन्होंने कहा कई महिलायें साधारण दवाओं और सामान्य प्रक्रिया पर उम्मीद के अनुसार प्रतिक्रिया नहीं देते. कुछ में अंडे कम बनते हैं, तो कुछ में ज़रूरत से ज़्यादा बन जाते हैं. जब शरीर की प्रतिक्रिया ठीक न बैठे, तो साइकिल पूरा तो हो जाता है, लेकिन सफलता की संभावना कम हो जाती है. और जब एक साइकिल असफल होता है, तो उसका खर्च भी बहुत भारी पड़ता है. कई दंपत्ति दो-तीन साइकिल के बाद ही समझ पाते हैं कि उन्हें शुरू से ही उनके शरीर के हिसाब से इलाज मिलना चाहिए था. ऐसी योजना का मतलब यह नहीं कि ढेर सारे टेस्ट कराए जाएँ. असल उद्देश्य यह है कि हर कदम समझदारी से लिया जाए. डॉक्टर यह देखते हैं कि अंडाशय कितनी क्षमता रखता है, हार्मोन कैसे बदलते हैं, माहवारी का पैटर्न कैसा है, अल्ट्रासाउंड क्या बता रहा है, और पहले किसी इलाज का क्या अनुभव रहा है। इन सबको जोड़कर एक ऐसा प्लान बनता है जो उस व्यक्ति के शरीर के लिए सबसे सही हो. रिसर्च से यह भी दिखा है कि जब भ्रूण स्थानांतरण सही समय पर किया जाता है, यानी जब गर्भाशय उसे सबसे अच्छी तरह स्वीकार कर सकता है- इस से सफलता की संभावना बढ़ती है. इसी तरह, दवाओं की मात्रा और उन्हें लेने का समय भी अगर शरीर की प्रतिक्रिया देखकर तय की जाए, तो पूरे इलाज का नतीजा बेहतर होता है.

एक नजर में | शिक्षा रत्न पुरस्कार समारोह में स्कूली शिक्षा में उत्कृष्टता का जश्न मनाया गया

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का विवेकपूर्ण उपयोग हो

इंदौर. स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने और सम्मानित करने के लिए प्रतिष्ठित शिक्षा रत्न पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया. युवा प्रतिभाओं के पोषण के प्रति उनके अनुकरणीय समर्पण, नवाचार और प्रतिबद्धता के लिए कुल 22 प्रधानाचार्यों, संस्थापकों और प्रख्यात शिक्षकों को शिक्षा रत्न पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम में पद्मश्री जनक पलटा मुख्य अतिथि थीं, जबकि अध्यक्षीय अतिथि प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रोफेसर (डॉ.) राजीव संगल थे. उद्घाटन भाषण देते हुए कार्यकारी निदेशक देवांश त्रिवेदी ने शिवाजीराव कदम प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला. पद्म जनक पल्टा ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी के विवेकपूर्ण और नैतिक उपयोग पर बल दिया. उन्होंने मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व में दृढ़ रहते हुए छात्रों को प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने के लिए संवेदनशील बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया.

प्रो. राजीव संगल ने शिक्षकों की मार्गदर्शक के रूप में भूमिका पर बल दिया, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अकादमिक शिक्षा से परे उनका मार्गदर्शन करते हैं, जिसमें चरित्र निर्माण, आलोचनात्मक सोच और आजीवन अधिगम शामिल है. समारोह का समापन प्रो. आराधना चौकसे द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ. शिक्षा रत्न पुरस्कार समारोह उन शिक्षकों को श्रद्धांजलि है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से समाज के भविष्य को प्रेरित करने, नवाचार करने और आकार देने का कार्य जारी रखते हैं.